Two-day Seminar on 'Indian Knowledge in Commerce and Management'

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Amar Ujala **Date: 16-02-2024**

ज्ञान की परंपरा से विकसित होगा देश : कुलपति

हकेवि में आईसीएसएसआर के सहयोग से वाणिज्य एवं प्रबंधन में भारतीय ज्ञान परंपरा पर केंद्रित राष्ट्रीय संगोष्ठी शुरू

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में वीरवार को वाणिज्य एवं प्रबंधन में भारतीय ज्ञान परंपरा विषय पर केंद्रित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी की शुरूआत की गई।

भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद् (आईसीएसएसआर) के सहयोग से आयोजित इस संगोष्ठी के उद्घाटन सत्र को मुख्यातिथि के रूप में भारतीय प्रबंधन संस्थान सिरमौर, हिमाचल प्रदेश के निदेशक प्रो. प्रफुल्ल वाई अग्निहोत्री ने संबोधित किया। विशिष्ठ अतिथि के रूप में चौधरी बंसीलाल विश्वविद्यालय (सीबीएलयू) के कुलपति प्रो. आरके मित्तल व दीनबंधु छोटूराम विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो. आरके अनायत ने कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। मुख्य वक्ता के रूप में चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ के प्रो. पवन शर्मा उपस्थित रहे जबकि उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने की। प्रो. सुषमा यादव, प्रो. सुनीता श्रीवास्तव भी उपस्थित रही।

वेद ज्ञान के असीम भंडार, युवा करें अध्ययन : मुख्य अतिथि प्रो. प्रफुल्ल वाई अग्निहोत्री ने विस्तार से भारतीय ज्ञान परंपरा पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने आयुर्वेद, भारतीय नाट्यशास्त्र, दर्शनशास्त्र का उल्लेख करते हुए बताया कि हम पुरातनकाल में कितने समृद्ध रहे हैं। उन्होंने कहा कि वेदों को ज्ञान का असीम भंडार बताते हुए युवाओं को उनके अध्ययन के लिए प्रेरित किया। सीबीएलयू के कुलपति प्रो. आरके मित्तल ने पुरातन काल में व्यापार, आपसी सहयोग, सर्वजन के विकास, भारतीय लघु उद्योगों के महत्व और सनातन चिंतन का विस्तार से उल्लेख करते हुए भारत के विकास में योगदान देने के लिए युवाओं को प्रेरित किया। उद्घाटन सत्र के मुख्य वक्ता चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ के प्रो. पवन शर्मा ने बेहद विस्तार से भारतीय शिक्षा प्रणाली को अंग्रेजी शासन द्वारा पहुंचाए गए नुकसान और उसके कारणों का उल्लेख किया। उन्होंने बताया कि वर्ष 2014 के बाद से स्थितियां बदल रही है और नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति -2020 में मातृभाषा में शिक्षा, भारत ज्ञान परंपरा के अध्ययन पर जोर इस बात का प्रमाण है कि हम अब पुनः विश्व स्तर पर अपनी वहीं पुरातन पहचान को प्राप्त करने की दिशा में अग्रसर है। प्रो. पवन शर्मा ने भारतीय वेद पुराणों और उनमें ज्ञान की ओर भी सभी का ध्यान आकर्षित किया।

राष्ट्रीय संगोष्ठी में मुख्य अतिथि प्रो.प्रफुल्ल अग्निहोत्री को स्मृति चिह्न भेंट करते कुलपति प्रो.टंकेश्वर कुमार। स्रोत: हकेविवि

विकसित भारत के निर्माण में युवाओं की भूमिका महत्वपूर्ण

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि विकसित भारत के निर्माण में युवाओं की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण है। युवा इस दिशा में तभी आगे बढ़ सकते है जबकि वो हमारे पुरातन ज्ञान परंपराओं को समझेंगे। कुलपति ने कहा कि अब समय आ गया है कि भारतीय अपने सही इतिहास को जाने और उसे समझकर आगे बढ़ें। हमारा विश्वविद्यालय नई शिक्षा नीति को केंद्र में रखकर निरंतर भारतीय ज्ञान परंपरा के साथ प्रगति के पथ पर अग्रसर है।

विकसित होगा भारत के निर्माण का मार्ग

विश्वविद्यालय की सम-कुलपति प्रो. सुषमा यादव ने कहा कि आज हम अमृतकाल में जी रहे हैं और ऐसे में भारतीय ज्ञान परंपरा को जानते समझते हुए ही विकसित भारत के निर्माण का मार्ग प्रशस्त हो सकता हैं। उन्होंने आयोजन में सम्मिलित विशेषज्ञों के द्वारा प्रस्तुत विचारों को इस दिशा में मार्गदर्शक बताया। कार्यक्रम की शुरूआत दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुई। जिसके पश्चात वाणिज्य विभाग के विभागाध्यक्ष व संगोष्ठी के संयोजक डॉ. राजेंद्र मीणा ने सभी अतिथियों, विशेषज्ञों व प्रतिभागियों का स्वागत किया। संगोष्ठी की आयोजन सचिव डॉ. सुनीता तंवर अपने संबोधन में दो दिवसीय संगोष्ठी की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए इसकी आवश्यकता व महत्व पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर प्रो. आनंद शर्मा, प्रो. राजीव कौशिक, प्रो. आशीष माथुर, डॉ. कामराज सिंधू, संगोष्ठी के सह संयोजक डॉ. सुमन, डॉ. रविंद्र कौर, डॉ. भूषण, और डॉ. अजय कुमार प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Bhaskar **Date: 16-02-2024**

कार्यक्रम • हकेंवि में भारतीय ज्ञान परंपरा पर केंद्रित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी शुरू

भारतीय ज्ञान परंपरा के बोध से बनेगा विकसित भारत

भास्कर न्यूज | महेंद्रगढ़

हकेंवि महेंद्रगढ़ में वाणिज्य एवं प्रबंधन में भारतीय ज्ञान परंपरा विषय पर केंद्रित दो दिवसीय राष्ट्रीय की शुरुआत गुरूवार को हो गई। भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद् (आईसीएसएसआर) के सहयोग से आयोजित इस संगोष्ठी के उद्घाटन सत्र को मुख्य अतिथि के रूप में भारतीय प्रबंधन संस्थान सिरमौर, हिमाचल प्रदेश के निदेशक प्रो. प्रफुल्ल वाई अग्निहोत्री ने संबोधित किया।

जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में चौधरी बंसीलाल विश्वविद्यालय (सीबीएलयू) के कुलपति प्रो. आर. के. मित्तल व दीनबंधु छोटूराम विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो. आरके अनायत ने कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। उद्घाटन सत्र में मुख्य वक्ता के रूप में चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ के प्रो. पवन शर्मा उपस्थित रहे जबकि उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने की और इस मौके पर समकुलपति प्रो. सुषमा यादव व विश्वविद्यालय की प्रथम महिला प्रो. सुनीता श्रीवास्तव भी उपस्थित रही।

विवि के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में आयोजन में सम्मिलित सभी

अतिथियों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि विकसित भारत के निर्माण में युवाओं की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण है। युवा इस दिशा में तभी आगे बढ़ सकते है जबकि वो हमारे पुरातन ज्ञान परंपराओं को समझेंगे। मुख्य अतिथि प्रो.प्रफुल्ल वाई अग्निहोत्री ने विस्तार से भारतीय ज्ञान परंपरा पर विस्तार से प्रकाश डाला। आयोजन के दौरान मंच का संचालन शिक्षक शिक्षा विभाग के प्रोफेसर नंद किशोर ने किया जबकि धन्यवाद ज्ञापन संगोष्ठी की सह संयोजक डॉ. दिव्या ने प्रस्तुत किया। इस अवसर पर प्रो. आनंद शर्मा, प्रो. राजीव कौशिक, प्रो.आशीष माथुर, डॉ. कामराज सिंधू, संगोष्ठी के सह संयोजक डॉ. सुमन आदि उपस्थित रहे।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Jagran **Date: 16-02-2024**

विद्यार्थी सही इतिहास को जाने व समझकर आगे बढ़ें: टंकेश्वर

- प्रो. प्रफुल्ल वाई अग्निहोत्री मुख्य अतिथि के रूप हुए शामिल
- वाणिज्य एवं प्रबंधन में भारतीय ज्ञान परंपरा पर राष्ट्रीय संगोष्ठी शुरू

राष्ट्रीय संगोष्ठी को संबोधित करते मुख्य अतिथि● जागरण

जागरण सहयोगी, महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में वाणिज्य एवं प्रबंधन में भारतीय ज्ञान परंपरा विषय पर केंद्रित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी की शुरुआत बृहस्पतिवार को हो गई। भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद (आइसीएसएसआर) के सहयोग से आयोजित इस संगोष्ठी के उद्घाटन सत्र को मुख्य अतिथि के रूप में भारतीय प्रबंधन संस्थान सिरमौर, हिमाचल प्रदेश के निदेशक प्रोफेसर प्रफुल्ल वाई अग्निहोत्री ने संबोधित किया। जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में चौधरी बंसी लाल विश्वविद्यालय (सीबीएलयू) के कुलपति प्रो. आरके मित्तल व दीनबंधु छोटूराम विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो. आरके अनायत ने कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि विकसित भारत के निर्माण में युवाओं की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण है। युवा इस दिशा में तभी आगे बढ़ सकते है जब वो हमारे पुरातन ज्ञान परंपराओं को समझेंगे। कुलपति ने कहा कि अब समय आ गया है कि भारतीय अपने सही इतिहास को जाने और उसे समझकर आगे बढ़ें। कुलपति ने इस अवसर पर विश्वविद्यालय के स्तर पर भारतीय ज्ञान परंपरा के विकास के लिए जारी विभिन्न प्रयासों का उल्लेख करते हुए कहा कि हमारा विश्वविद्यालय नई शिक्षा नीति को केंद्र में रखकर निरंतर भारतीय ज्ञान परंपरा के साथ प्रगति के पथ पर अग्रसर है। इससे पूर्व में मुख्य अतिथि प्रो. प्रफुल्ल वाई अग्निहोत्री ने विस्तार से भारतीय ज्ञान परंपरा पर विस्तार से प्रकाश डाला।

उन्होंने आयुर्वेद, भारतीय नाट्यशास्त्र, दर्शनशास्त्र का उल्लेख करते हुए बताया कि हम पुरातनकाल में कितने समृद्ध रहे हैं। उन्होंने कहा कि वेदों को ज्ञान का असीम भंडार बताते हुए युवाओं को उनके अध्ययन के लिए प्रेरित किया। सीबीएलयू के कुलपति प्रो. आरके मित्तल ने पुरातन काल में व्यापार, भारतीय लघु उद्योगों के महत्व और सनातन चिंतन का विस्तार से उल्लेख करते हुए भारत के विकास में योगदान देने के लिए युवाओं को प्रेरित किया। दीनबंधु छोटूराम विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो. आरके अनायत ने भारतीय ज्ञान परंपरा और चिंतन को प्रतिभागियों के समक्ष प्रस्तुत किया।

उद्घाटन सत्र के मुख्य वक्ता चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ के प्रोफेसर पवन शर्मा ने बेहद विस्तार से भारतीय शिक्षा प्रणाली को अंग्रेजी शासन द्वारा पहुंचाए गए नुकसान और उसके कारणों का उल्लेख किया। उन्होंने बताया कि वर्ष 2014 के बाद से स्थितियां बदल रही है और नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 में मातृभाषा में शिक्षा, भारत ज्ञान परंपरा के अध्ययन पर जोर इस बात का प्रमाण है कि हम अब पुनः विश्व स्तर पर अपनी वहीं पुरातन पहचान को प्राप्त करने की दिशा में अग्रसर है। सम कुलपति प्रो. सुषमा यादव ने कहा कि आज हम अमृतकाल में जी रहे हैं और ऐसे में भारतीय ज्ञान परंपरा को जानते समझते हुए ही विकसित भारत के निर्माण का मार्ग प्रशस्त हो सकता हैं।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: The Tribune **Date: 16-02-2024**

SEMINAR ON INDIAN KNOWLEDGE SYSTEM

Mahendragarh: A two-day national conference on the Indian knowledge system in commerce and management was organised at the Central University of Haryana. Professor Prafulla Y Agnihotri, Director, Indian Institute of Management Sirmaur, Himachal Pradesh, was the chief guest at the inaugural session, while Vice-Chancellor Prof Tankeshwar Kumar presided over the session. Agnihotri threw light on the Indian knowledge tradition in detail. TNS

Haryana Tribune Fri, 16 February https://epaper.t

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Impressive Times **Date: 16-02-2024**

Two-day national seminar focusing on IKS started at CUH

Dipesh Kumar
info@impressivetimes.com

MAHENDRAGARH : A two-day national conference focused on the Indian Knowledge System in Commerce and Management began on Thursday at Central University of Haryana (CUH), Mahendragarh. The inaugural session of this seminar, organized in collaboration with the Indian Council of Social Science Research (ICSSR), was addressed as the chief guest by Professor Prafulla Y Agnihotri, Director, Indian Institute of Management Sirmaur, Himachal Pradesh. Whereas as special guests, Prof. R.K. Mittal, Vice Chancellor, Chaudhary Bansi Lal University (CBLU) and Prof. R.K. Anayat, former Vice Chancellor, Deenbandhu Chhotu Ram University of Science and Technology graced the program. Professor Pawan Sharma, Chaudhary Charan Singh University, Meerut was present as the keynote speaker in the inaugural session, while the inaugural session was presided over by the Vice Chancellor of the University, Prof. Tankeshwar Kumar and on this occasion the Pro-Vice Chancellor, Prof. Sushma Yadav, the first lady of the University, Prof. Sunita Srivastava were also present. Vice Chancellor of the University, Prof. Tankeshwar Kumar, in his presidential address, expressed his gratitude to all the guests participating in the event. In his address, he said that the role of youth is very important in building a developed India. The youth can move forward in this direction only when they understand our ancient knowledge traditions. The Vice Chancellor said that now the time has come for Indians to know their true history and move forward by understanding it. Chief guest Prof. Prafulla Y Agnihotri threw light on the Indian knowledge tradition in detail.

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Navoday Times **Date: 16-02-2024**

भारतीय ज्ञान परंपरा के बोध से बनेगा विकसित भारत : कुलपति

महेंद्रगढ़,15 फरवरी (परमजीत/मोहन): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ में वाणिज्य एवं प्रबंधन में भारतीय ज्ञान परंपरा विषय पर केंद्रित दो दिवसीय राष्ट्रीय की शुरूआत गुरूवार को हो गई। भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद् (आईसीएसएसआर) के सहयोग से आयोजित इस संगोष्ठी के उद्घटन सत्र को मुख्य अतिथि के रूप में भारतीय प्रबंधन संस्थान सिरमौर, हिमाचल प्रदेश के निदेशक प्रोफेसर प्रफुल्ल वाई अग्निहोत्री ने संबोधित किया। जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में चौधरी बंसी लाल विवि. के कुलपति प्रो.आर.के.मित्तल व दीनबंधु छोटूराम विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो.आरके अनायत ने कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। उद्घाटन सत्र में मुख्य वक्ता के रूप में चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ के प्रोफेसर पवन शर्मा उपस्थित रहे जबकि अध्यक्षता कुलपति प्रो.टंकेश्वर कुमार ने की और इस मौके पर सम कुलपति प्रो.सुषमा यादव, विश्वविद्यालय की प्रथम महिला प्रो.सुनीता श्रीवास्तव भी उपस्थित रही।

राष्ट्रीय संगोष्ठी में मुख्य अतिथि प्रो.प्रफुल्ल अग्निहोत्री को स्मृति चिह्न भेंट करते हुए कुलपति प्रो.टंकेश्वर कुमार।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो.टंकेश्वर कुमार ने अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में आयोजन में सम्मिलित सभी अतिथियों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि विकसित भारत के निर्माण में युवाओं की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण है। युवा इस दिशा में तभी आगे बढ़ सकते है जबकि वो हमारे पुरातन ज्ञान परंपराओं को समझेंगे। कुलपति ने कहा कि अब समय आ गया है कि भारतीय अपने सही इतिहास को जाने और उसे समझकर आगे बढ़ें। कुलपति ने इस अवसर पर विश्वविद्यालय के स्तर पर भारतीय ज्ञान परंपरा के विकास हेतु जारी विभिन्न प्रयासों का उल्लेख करते हुए कहा कि हमारा विश्वविद्यालय नई शिक्षा नीति को केंद्र में रखकर निरंतर भारतीय ज्ञान परंपरा के साथ प्रगति के पथ पर अग्रसर है। इससे पूर्व में मुख्य अतिथि प्रो.प्रफुल्ल वाई अग्निहोत्री ने विस्तार से भारतीय ज्ञान परंपरा पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने आयुर्वेद, भारतीय नाट्यशास्त्र, दर्शनशास्त्र का उल्लेख करते हुए बताया कि हम पुरातनकाल में कितने समृद्ध रहे हैं। उन्होंने कहा कि वेदों को ज्ञान का असीम भंडार बताते हुए युवाओं को उनके अध्ययन के लिए प्रेरित किया।

सीबीएलयू के कुलपति प्रो.आरके मित्तल ने पुरातन काल में व्यापार, आपसी सहयोग, सर्वजन के विकास, भारतीय लघु उद्योगों के महत्व और सनातन चिंतन का विस्तार से उल्लेख किया। उद्घाटन सत्र के मुख्य वक्ता चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ के प्रोफेसर पवन शर्मा ने बेहद विस्तार से भारतीय शिक्षा प्रणाली को अंग्रेजी शासन द्वारा पहुंचाए गए

नवोदय टाइम्स Fri, 16 February 2024
https://epaper.navodayatimes.in/c/74573784

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Navoday Times **Date: 17-02-2024**

दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का समापन

महेंद्रगढ़,16 फरवरी (ब्यूरो): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में वाणिज्य एवं प्रबंधन में भारतीय ज्ञान परंपरा विषय पर केंद्रित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का शुक्रवार को समापन हो गया। भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद् (आईसीएसएसआर) के सहयोग से आयोजित इस संगोष्ठी के समापन सत्र में महर्षि अरविंद विश्वविद्यालय, जयपुर के कुलपति प्रो. एस.सी. जैन मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

जबकि हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार ने विशिष्ट अतिथि तथा विश्वविद्यालय के भौतिकी एवं खगोल भौतिकी विभाग की विभागाध्यक्ष प्रो. सुनीता श्रीवास्तव विशेष अतिथि के रूप में कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। इस अवसर पर विश्वविद्यालय की समकुलपति प्रो. सुषमा यादव की भी गरिमामयी उपस्थिति रही। विश्वविद्यालय के लघु सभागार में आयोजित इस कार्यक्रम की शुरुआत विश्वविद्यालय के कुलगीत के साथ हुई। इसके पश्चात संगोष्ठी की सह-समन्वयक डॉ. दिव्या ने स्वागत भाषण प्रस्तुत किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रो. एस.सी. जैन ने कहा कि नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति में भारतीय ज्ञान परंपरा के विभिन्न पहलुओं को समाहित किया गया है। उन्होंने कहा कि एजुकेशन सिस्टम योग्य व्यक्ति बनाने के लिए शिक्षा प्रदान करती है लेकिन वह हमें आदर्श व्यक्ति नहीं बनाती।

प्रो. जैन ने कहा कि प्राचीन भारतीय ज्ञान परंपरा में उच्चतम ज्ञान का प्रसार करके मानव को श्रेष्ठ संस्कारों से युक्त कर संपूर्ण मानव बनाते थे। आज केवल भारत ही नहीं अपितु पूरा विश्व भारतीय ज्ञान परंपरा की आवश्यकता महसूस कर रहा है। इससे पूर्व समापन सत्र में विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने कोविड ने आमजन को भारतीय ज्ञान परंपरा से जुड़ने का अवसर प्रदान किया है। उन्होंने कहा कि हमें नई पीढ़ी को भारतीय ज्ञान परंपरा से अवगत कराना चाहिए ताकि वे हमारी समृद्ध विरासत को जान सके। हमें युवा पीढ़ी को पारंपरिक ज्ञान से रूबरू कराना चाहिए।

नवोदय टाइम्स Sat, 17 February 2024
https://epaper.navodayatimes.in/c/74578

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Amar Ujala **Date: 17-02-2024**

नई शिक्षा नीति में भारतीय परंपरा से अवगत कराया

प्रो. एससी जैन को पुष्प गुच्छ भेंट करतीं समकुलपति प्रो. सुषमा यादव। स्रोत : हकेंवि

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) महेंद्रगढ़ में वाणिज्य एवं प्रबंधन में भारतीय ज्ञान परंपरा विषय पर केंद्रित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का शुक्रवार को समापन हो गया।

विश्वविद्यालय के लघु सभागार में आयोजित इस कार्यक्रम की शुरुआत विश्वविद्यालय के कुलगीत के साथ हुई। संगोष्ठी की सह-समन्वयक डॉ. दिव्या ने स्वागत भाषण प्रस्तुत किया। मुख्य अतिथि प्रो. एस.सी. जैन ने कहा कि नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति में भारतीय ज्ञान परंपरा के विभिन्न पहलुओं को समाहित किया गया है। संगोष्ठी के समापन सत्र में महर्षि अरविंद विश्वविद्यालय, हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार विशिष्ठ अतिथि के रूप में कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई।

अपशिष्ट प्रबंधन में युवा निभाएं सक्रिय भागीदारी

महेंद्रगढ। वर्तमान समय में अपशिष्ट प्रबंधन बड़ी समस्याओं में से एक है। अपशिष्ट प्रबंधन का निपटान सही तरीके से न होने के कारण एक तरफ तो भूमि की उर्वरा शक्ति कम होती जा रही है, वहीं दूसरी ओर विभिन्न प्रकार की बीमारियां फैलती जा रही हैं। ऐसे में जरूरत है कि हमारे युवा आगे आकर अपशिष्ट प्रबंधन में अपनी सकारात्मक भागीदारी कर प्रधानमंत्री मोदी द्वारा चलाए गए स्वच्छ भारत अभियान के सपने को साकार करने में अपना योगदान दें। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने विश्वविद्यालय में दीर्घकालीन जीवन शैली के लिए अपशिष्ट प्रबंधन विषय पर आयोजित वेबिनार को संबोधित किया।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Bhaskar **Date: 17-02-2024**

नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति में भारतीय ज्ञान परंपरा के विभिन्न पहलुओं का समावेश

महेंद्रगढ़ | हकेंवि में 'वाणिज्य एवं प्रबंधन में भारतीय ज्ञान परंपरा' विषय पर केंद्रित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का शुक्रवार को समापन हो गया। आईसीएसएसआर के सहयोग से आयोजित इस संगोष्ठी के समापन सत्र में महर्षि अरविंद विश्वविद्यालय, जयपुर के कुलपति प्रो. एस.सी. जैन मुख्य अतिथि रहे। कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार ने विशिष्ठ अतिथि व भौतिकी एवं खगोल भौतिकी विभाग की विभागाध्यक्ष प्रो. सुनीता श्रीवास्तव विशेष अतिथि के रूप में कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। मुख्य अतिथि प्रो. एस.सी. जैन ने कहा कि नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति में भारतीय ज्ञान परंपरा के विभिन्न पहलुओं को समाहित किया गया है। प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने भी रखे विचार । समकुलपति प्रो. सुषमा यादव ने कहा कि भारतीय ज्ञान परंपरा आधुनिक विज्ञान प्रबंधन सहित सभी क्षेत्रों के लिए एक खजाना है। प्रो. सुनील कुमार, डॉ. सुनीता तंवर ने आभार जताया। इस मौके पर संयोजक प्रो. राजेंद्र प्रसाद मीणा, आनंद शर्मा, प्रो. आशीष माथुर, संगोष्ठी के सह संयोजक डॉ. सुमन, डॉ. रविंद्र कौर, डॉ. भूषण आदि मौजूद थे।